सरबनाम (सर्वनाम)

संइगाक बदल अवइया सबद चाहें ऊ सबद गुला जे संइगाक जघायं परजोग भेवे हे सरबनाम कहा हइ। जेरकम :–

“मंगरा काल्हे अइले हलइ। ऊ बिहाने दिल्ली चइल गेलइ।”

हियां ‘ऊ’ मंगराक जघायं परजोग भेले हइ। माने ‘ऊ’ एगो सरबनाम लागे।

खोरठा भासाञ् सरबनामेक परजोग –

(1) बेगइत वाचक (पुरूख वाचक) सरबनाम– जे सरबनाम गुला ले कहवइया, सुनवइया आर जेकर लेताइरें बात करल जाइ , ऊ

सोब फुरछा हे ओकरा बेगइत वाचक चाहें पुरूख वाचक सरबनाम बइजकल जा हइ। जेरकम :–हाम, हमीन , हमरे , तोञ् , तोहरा आरो–आरो।

पटतइर :–

हाम – हाम घर जाइ रहल ही।

तोइं – तोइ (तोञ) पटना ले कहिआ अइले ?

तोहर – तोहर जीव तो बेसे हइ ने ?

ऊ – ऊ इसकूल गेले हइ ।

हमीन – हमीन धान रोपे जा ही।

पुरूष वाचक सरबनाम

पुरूख	एकवचन	बहुवचन
परथम पु॰	हाम , हमें	हामिन

मइधम पु॰	तो , तोञ	तोहिन
अइन पु॰	ई , ऊ	एखिन ,ओखिन

(2) नीज वाचक सरबनाम –
(माइन–गइन बाचक सरबनाम – झाजी)
जे ठिना करवइयाक खातिर आपन आपनेहे, निजे, तोहरे , तोहें , सबद गुलाक परजोग करल जा हे हुआं नीज बाचक सरबनामेक परजोग भेवे हइ।

पटतइर

- आपन – सोमरा आपन काज कइर रहल हइ।
- अपने – तोरा अपने जाइ परतउ।

➢ आपने हे – ऊ आपने हे झूठ बइजकले हलइ।

3. अनठेकाइर वाचक सरबनाम –जे सरबनाम ले कोन्हो आयां जिनीस चाहें जीवेक भाभ नाञ् फुरछा हइ ओकरा अनठेकाइर वाचक सरबनाम कहल जा हइ । जेरंग –

“हियां केव आइल हलइ।”

ई बाइके ‘केव’ ले कोन्हो आबगा जिनीसेक भाभ नाञ् फुरछा हइ।

पटतइर

- कोन्हो – ओकरा कोन्हो–कोन्हो दई देभाक।
- केकरो – छठी नेहाइ केकरो भेइज देभी।
- कोय – हियां कोय अइले होतो।
- कोन्हों रकम – ऊ कोन्हो रकम घर अइलइ।

4. आबगा वाचक सरबनाम

(ठिक – ठेकानी सरबनाम – दिनेश दिनमणि)

जे सरबनाम ले कोन्हों बेगइत चाहे जिनीसेक बांटे आबगा इंगित करो हइ ओकरा आबगा वाचक सरबनाम कहल जा हे।

जेरंग – ई , ईटा , ऊ, ऊसभ , सेहेले

आहे तरी , ऊसभ , सइए लोकवा/लोकटा ..... आरो–आरो।

पटतइर

- ई – ई रामू के भाइ हइ।
- ऊ (वह) – राखी पेठिया गेले हलइ, ऊ धुइर आइल हइ।
- ऊ (वे) – ऊ सोहनेक बाप हथीन ।
- ई (ये) – ई मुरगिक अंडा हइ।

5. सोवाल वाचक सरबनाम – जे सरबनाम सबद गुलाक परजोग सोवाल पूछेक लेल करल जा हइ ओकरा सोवाल वाचक सरबनाम कहल जा हइ। जेरकम – के, किटा

कउन , कउन ठिना, कि रकम , का लखे, का नियर , किले, काले ..... आरो–आरो।

पटतइर :–

- के – के घर अइलइ ?
- किटा – किटा किन के आनले हे ?
- कने – तोञ् कने से आइ रहल हें?
- कउन –गीदर गुला कउन ठिना गेले हइ?
- कि रकम – कि रकम ई तिमन टा लागलइ ?
- कउनी तरी – कउन तरी ऐते दाम भेलइ?

6. नार–जोर वाचक सरबनाम :– जे सरबनामेक सबद बाइके कोन्हों आन सबद ले

नार–जोर बतवे हे ओकरा नार–जोर वाचक सरबनाम कहल जा हइ।

जेरकम – “जे जइसन करो हइ
ऊ ओइसन भरो हइ।”

ई बाइके ‘जइसन’ आर ‘ओइसन’ नार–जोर वाचक सरबनाम लागइ।

पटतइर

➢ जइसन –तइसन :– जे जइसन करतइ तइसन भरतइ।

➢ जइसन –ओइसन :– जइसन करनी ओइसन भरनी।

➢ जे–से :– जे निंदा हइ से नाञ् पावो हइ। जे कहबइ से करबे।

- जे–ऊ :– जे आगू अइतइ ऊ पइतइ।
- ओहे–जे :– ओहे जरीबाना देतइ जे बेंडउलइ।